12.10.21 Higher Hindi Holiday Homework

Date 12.10.21
Page 01

1. (क) मोहन पिता की नज़र बचाकर साँड़ को रोटियाँ नाकर देता था।

(ख) नारद के मन में किशान के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए उल्लास था।

(ग) कवि के अनुसार मित्र धर्म श्रेष्ठ है।

(घ) मनोहर ने ताई को पतंग मँगवाकर देने के लिए कहा।

(ङ) हमें गिरने के बाद वापिस उठ खड़े होना चाहिए।

2. (क) " कल करे सो आज कर
आज करे सो अब !
पल में प्रलय होएगी
बहुरी करेगा कब ।"

आज का काम आज ही करना चाहिए क्योंकि ये अवसर फिर मिले न मिले अर्थात समय कभी किसी के लिए रुकता न ही ~~कभी~~ कभी लौटकर आता है।

(ख) शेम-शेम ऋणी होने से तात्पर्य है – शरीर का एक-एक शेम कर्ज़दार होना। अर्थात दुर्योधन का कर्ण के ऊपर इतना अहसान है कि उसके शरीर का एक-एक शेम उसके उपकार का कर्ज़दार है।

3. (क) प्रियतम कविता के कवि 'सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ' ने इस कविता में विष्णु और नारद से संबंधित एक बौद्ध कथा के माध्यम से यह सिद्ध करने का प्रयत्न किया है कि जीवन में अपने कर्तव्यों तथा उत्तरदायित्वों को निभाने वाला व्यक्ति ही श्रेष्ठ है तथा वही ईश्वर को प्रिय है। ईश्वर के द्वारा दिए गए उत्तरदायित्वों को निभाते हुए ईश्वर को याद करना ही सच्ची पूजा है।

(ख) भाव स्पष्टीकरण - गुदड़ी के लाल होना एक मुहावरा है। इसका अर्थ होता है कि ऐसा व्यक्ति जिसकी बुद्धिमानी एवं योग्यता को लोग न समझते हों। साईं को गुदड़ी का लाल कहने का भाव यह है कि सभी लोग उसे चिथड़ों वाला साँई ही जानते थे परंतु वह बालकों को भगवान स्वरूप मानते थे तथा उनके मनोविनोद के लिए ही गूदड़ रखते थे। इसे केवल साँई ही समझते थे। इसी कारण लेखक ने उसे गुदड़ी का लाल कहा।

4. (क) उपस्थित x अनुपस्थित

(ख) क्रोध x क्षमा

(ग) आदर x निरादर

(घ) गरीब x अमीर

(ङ) ड़र x निड़र

5. (क) संयुक्त वाक्य

(ख) सरल वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) सरल वाक्य

* * *